

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

व्यापारी देश एवं प्रदेश के विकास में योगदान दें - राज्यपाल

लखनऊ: 2 अगस्त, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज साईन्टिफिक कन्वेंशन सेंटर में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल द्वारा आयोजित व्यापारी सम्मेलन में पूर्व राष्ट्रपति स्व0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मौन धारण करके उन्हें याद किया गया। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि शपथ लेने वाले नये सदस्य शपथ के अनुसार अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए देश एवं प्रदेश के विकास में योगदान दें। उद्योग और व्यापार से जुड़े लोग प्रदेश की विशेषता वाले उत्पाद को ब्राण्ड बनाकर स्पर्धा बढ़ायें। हुनर के विकास से अच्छी ब्रांडिंग करें। उद्योग से जुड़े लोग गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। गुणवत्ता को कैसे बढ़ाया जा सकता है इस दृष्टि से विचार करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के व्यापारी उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाये तो उत्तर प्रदेश को उत्तर प्रदेश बनने में समय नहीं लगेगा।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का बड़ा प्रान्त है। यहाँ की विविधता और संस्कृति को देखकर किसी को भी उत्तर प्रदेश से ईर्ष्या हो सकती है। उत्तर प्रदेश का हर जनपद किसी न किसी विशेष व्यवसाय और उत्पाद के लिए विख्यात है चाहे व बनारस की साड़ी हो, फिरोजाबाद की चूड़ी, लखनऊ की चिकनकारी हो, मलिहाबाद का आम, भदोही की कालीन, मिर्जापुर की दरी, कन्नौज का इत्र, अलीगढ़ का ताला आदि हो। व्यापारीगण ऐसी विशेषताओं को बाहर स्पर्धा के रूप में प्रस्तुत करें।

श्री नाईक ने उद्योग एवं व्यापार से जुड़े लोगों की समस्याओं के बारे में कहा कि वे संवाद में विश्वास करते हैं। लोकतंत्र में संवाद का बहुत महत्व है। अपनी समस्याओं को संवाद के माध्यम से आगे बढ़ायें। उन्होंने कहा कि वे पहले भी कह चुके हैं कि वे सरकार और जनता के बीच सेतु का काम करेंगे। इस दृष्टि से उनकी जायज मांगों को उनकी भावनाओं सहित राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के संज्ञान में लायेंगे। उन्होंने कहा कि नीति निर्धारण में भी संवाद से रास्ता निकलता है।

इस अवसर पर उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी मिश्र ने विस्तार से व्यापारियों और उद्योगपतियों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा इस संबंध में राज्यपाल को एक ज्ञापन भी दिया। कार्यक्रम में उद्योग व्यापार के नये पदाधिकारियों को उनके प्रतिनिधियों द्वारा शपथ भी दिलायी गयी।



